SAMPLE QUESTION PAPER - 4

Hindi A (002)

Class IX (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

घरवालों से शिष्ट व्यवहार करना उतना ही ज़रूरी है, जितना कि बाहर वालों से। घर में दूसरों का ख्याल रखने और अच्छा व्यवहार करने से नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है। विनम्रता का मतलब है-अच्छी तहज़ीब का पालन।

खुद को संतुष्टि देने के साथ ही विनम्रता और शिष्ट व्यवहार के और भी कई फ़ायदे हैं, किन्तु फिर भी लोग विनम्रता का पालन नहीं करते। कठोर और असभ्य लोग थोड़े समय के लिए सफल हो सकते हैं, मगर ज़्यादातर लोग ऐसे व्यवहार वालों से दूर रहना चाहते हैं, और आख़िरकार ऐसे लोग नापसंद किए जाते हैं। बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बड़े होकर वे सभ्य, समझदार और दूसरों का ख्याल रखने वाला बन सकें। एक बार विनम्र व्यवहार सीख लें, तो वह उम्र-भर साथ रहता है। यह दूसरों का ख्याल रखने और संवेदनशील होने के नज़रिए को दर्शाता है ऐसी बातें बहुत छोटी और साधारण लगती हैं, लेकिन इंसान को बहुत दूर तक ले जाती हैं। उदाहरण के लिए-'कृपया', 'शुक्रिया', धन्यवाद' और 'मुझे क्षमा कर दीजिए' जैसे चंद शब्द जादू का असर दिखाते हैं।

1. घरवालों से शिष्ट व्यवहार करना क्यों जरूरी है? (1)

   (क) इससे नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है।

   (ख) इससे जेबख़र्च ज़्यादा मिलता है।

   (ग) इससे आप उनसे अपनी बात मनवा सकते हैं।

   (घ) इससे लड़ाई नहीं होती है।

2. विनम्र व्यवहार क्या दर्शाता है? (1)
   (क) यह अति संवेदनशील होने के नज़रिए को दर्शाता है
   (ख) यह दूसरों का ख्याल रखने के नज़रिए को दर्शाता है
   (ग) यह दूसरों का ख्याल रखने और संवेदनशील होने के नज़रिए को दर्शाता है
   (घ) यह दूसरों का कहना मानने के नज़रिए को दर्शाता है
3. किन शब्दों में जादू का असर होता है? (1)
   (क) कृपया
   (ख) शुक्रिया या धन्यवाद
   (ग) मुझे क्षमा कर दीजिए
   (घ) उपरोक्त सभी
4. कठोर व्यवहार करने वालों का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)
5. बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा क्यों दी जानी चाहिए? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ।
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ।
मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है।
मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ।
जब-जब भी मैंने खंडहर आबाद किए हैं,
प्रलय-मेघ भूचाल देख मुझको शरमाए।
मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।

i. उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में किसका महत्व प्रतिपादित किया गया है? **(1)**
   (क) अदम्य विश्वास का महत्व
   (ख) प्रलय-मेघ भूचाल का महत्व
   (ग) तूफानों-भूचालों का महत्व
   (घ) मजदूर की शक्ति का महत्व

ii. स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति का क्या कारण है? **(1)**
   (क) उसे देवों की बस्ती पसंद नहीं है।
   (ख) उसे पता है की उसे कभी स्वर्ग प्राप्त नहीं होगा।
   (ग) वह अपनी शक्ति से धरती पर स्वर्ग के समान सुंदर बस्तियाँ बना सकता है।
   (घ) स्वर्ग में मज़दूर के लिए कोई काम उपलब्ध नहीं है।

iii. किन कठिन परिस्थितियों में उसने अपनी निर्भयता प्रकट की है? **(1)**
   (क) प्रलय-मेघ और भूचाल में
   (ख) खंडहर में
   (ग) स्वर्ग में
   (घ) धरा में

iv. मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है, इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं। उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट करके लिखिए। **(2)**

v. अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति उसने क्या कहकर अपना आत्म-विश्वास प्रकट किया है? **(2)**

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** **[4]**

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. संपूर्ण
ii. प्रतिदिन
iii. आरोही

निम्नलिखित मूल शब्दों में प्रत्यय जोड़कर बनने वाले शब्द लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. धन + वान
ii. पण्डित + ई
iii. छल + इया

4. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए और उपयुक्त समास का नाम भी लिखिए। **[4]**

i. अन्न-जल (विग्रह कीजिए)
ii. प्रत्येक (विग्रह कीजिए)
iii. हाथ और पाँव (समस्त पद लिखिए)
iv. दो माँ का (समस्त पद लिखिए)
v. नहीं है जन जहाँ (समस्त पद लिखिए)

5. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **[4]**

i. राम के पिता का नाम दशरथ है। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)**
ii. शांत रहो। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)**
iii. मेघा रोटी बनाती है। **(निषेधवाचक वाक्य)**
iv. राहुल चलते रहो। **(प्रश्नवाचक वाक्य)**
v. काश! चंचल फुटबॉल खेलती। **(विस्मयादिवाचक वाक्य)**

6. निम्नलिखित काव्यांशों में से **किन्हीं चार** के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए - **[4]**

i. रघुपति राघव राजा राम

ii. प्रतिभट कटक कटीले केते काटि काटि

iii. कहै कवि बेनी बेनी ब्याल की चुराई लीनी

iv. रती-रती सोभा सब रती के सरीर के।

v. सीधी चलते राह जो, रहते सदा निशंक जो करते विप्लव, उन्हें, 'हरि' का है आतंक

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

नीलाम हो जाने के बाद दोनों मित्र उस दढ़ियल के साथ चले। दोनों की बोटी-बोटी काँप रही थी। बेचारे पाँव तक न उठा सकते थे, पर भय के मारे गिरते-पड़ते भागे जाते थे; क्योंकि वह जरा भी चाल धीमी हो जाने पर ज़ोर से डंडा जमा देता था। राह में गाय-बैलों का एक रेवड़ हरे-हरे हार में चरता नजर आया। सभी जानवर प्रसन्न थे, चिकने, चपल कोई उछलता था, कोई आनंद से बैठा पागुर करता था। कितना सुखी जीवन था इनका, पर कितने स्वार्थी हैं सब। किसी को चिंता नहीं कि उनके दो भाई बधिक के हाथ पड़े कैसे दुःखी हैं।
सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। हाँ, इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी। सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गई। आह? यह लो!
अपना ही घर आ गया। इसी कुएँ पर हम पुर चलाने आया करते थे, यही कुआँ है।

(i) दढ़ियल व्यक्ति कौन था?

क) एक बधिक अर्थात् कसाई
ख) झूरी
ग) झूरी की पत्नी का भाई
घ) एक व्यापारी

(ii) दोनों बैल दढ़ियल के साथ चलते हुए क्यों काँप रहे थे?

क) उन्हें डर था कि वह दढियल उन्हें गया को न सौंप दे
ख) उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा
ग) उन्हें स्वर्य को पीटे जाने का डर था
घ) उन्हें झूरी से दूर हो जाने का डर था

(iii) बैलों को किनका जीवन अधिक सुखमय लगा?

क) गाँव के जीवन का
ख) राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का
ग) दढ़ियल व्यक्ति का
घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) दोनों बैलों की चाल अचानक तेज क्यों हो गई?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) वे गाय-बेलों के रेवड़ में मिल जाना चाहते थे

ग) उन्हें लगा कि वे जिसं रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

घ) उनके मन में दढ़ियल व्यक्ति को मारने का विचार आया

(v) **दुर्बलता** में क्रमशः उपसर्ग व प्रत्यय कौन-से हैं?

क) दुः, लता

ख) दुः, ता

ग) दुर्, ता

घ) ता, दुर्

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) ल्हासा की ओर यात्रा-वृत्तांत के आधार पर बताइए कि उस समय तिब्बती समाज कैसा था? **[2]**

(ii) आशय स्पष्ट कीजिए-वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक ज़िन्दगी का प्रतिरूप बन गए थे। **[2]**

(iii) पैदा होने पर नन्हीं महादेवी वर्मा की बड़ी खातिर क्यों हुई जबकि उस समय लड़कियों को बोझ समझा जाता था, क्यों? **[2]**

(iv) लेखक प्रेमचंद के जूते देखकर क्यों रो पड़ना चाहता है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।
मुकताफल मुकता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं।

(i) यहाँ मानसरोवर का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है?

क) समुद्र के रूप में

ख) एक पवित्र झील के रूप में

ग) एक पवित्र झील के रूप में और पवित्र मन के रूप में दोनों

घ) पवित्र मन के रूप में

(ii) मानसरोवर में हंस क्या कर रहे हैं?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) झील के जल को पीने में मग्न हैं

ग) झील के कपर उड़ रहे हैं

घ) दिन-रात कीड़ामश्न है

(iii) पद्योश में हंस किसका प्रतीक है?

क) जीवात्मा का | ख) समय का
ग) एक पक्षी का | घ) मृत्यु का

(iv) हंस मानसरोवर छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहता?

क) क्योंकि उसे कहीं और मोती नहीं मिलेंगे | ख) वह उड़ने में असमर्थ है
ग) क्योंकि क्रीड़ा का ऐसा आनंद उसे कहीं और नहीं आएगा | घ) वह अपनी जन्मभूमि को छोड़कर नहीं जाना चाहता

(v) भक्ति भावना की चरम अवस्था क्या है?

क) आत्मा का परमात्मा में मिलन | ख) भक्ति में लीन हो जाना
ग) परमात्मा के दर्शन होना | घ) मन की पुकार का सुना जाना

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं? बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(ii) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? **[2]**

(iii) वाख कविता की कवयित्री का **घर जाने की चाह** से क्या तात्पर्य है? **[2]**

(iv) **ग्राम श्री** कविता के अनुसार पंतजी को **प्रकृति का सुकुमार कवि** क्यों कहते हैं? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

(i) **हम जल प्रलय में** पाठ में बाढ़ में आए पानी की तीव्रता का वर्णन कीजिए तथा बताइए ऐसे प्रसंगों से आपको क्या-क्या करने की प्रेरणा मिलती है। **[4]**

(ii) लेखिका की माँ परंपरा का निर्वाह न करते हुए भी सबके दिलों पर राज करती थी। मेरे संग की औरतें पाठ के इस कथन के आलोक में - लेखिका की दादी के घर के माहौल का शब्द-चित्र अंकित कीजिए। **[4]**

(iii) **रीढ़ की हड्डी** पाठ के अनुसार रामस्वरूप अपनी पत्नी प्रेमा को गोपालप्रसाद और शंकर के विषय में क्या बताता है? **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

(i) **प्रकृति पर अगर गाज गिरती रहेगी** [6]
समझ लो मनुष्यता सिसकती रहेगी विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- मानव प्रकृति का अभिन्न अंग
- संतुलन बनाना
- तापमान वृद्धि में रोक

(ii) **प्रदूषण की समस्या** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। [6]

(iii) **आज़ादी अभी अधूरी है** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। [6]

- आज़ादी का महत्त्व
- पूर्ण आज़ादी से तात्पर्य
- आज़ादी की सुरक्षा कैसे?

13. आप अंकित/अंकिता हैं। अपनी प्रधानाचार्या को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपने विद्यालय के पुस्तकालय में सुधार के लिए निवेदन कीजिए। [5]

अथवा

आप छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। कमरे में साथ रहने वाले मित्र की विशेषताएँ बताते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखकर बताइए कि उसकी संगति का आप पर क्या असर हुआ है?

14. अपने क्षेत्र में जल-भराव की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य-अधिकारी को healthofficer@mcdonline.gov.in पर एक ईमेल लिखिए। [5]

अथवा

नारी का संघर्ष विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

15. बच्चा रात के समय अपने पिता से लड्डू खाने की ज़िद कर रहा है इस विषय पर पिता तथा बच्चे के मध्य होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

विद्यालय में नवीं-दसवीं कक्षा के बीच कबड्डी का मैच आयोजित किया जाएगा। खेल सचिव की ओर से 40-50 शब्दों में सूचना लिखिए।

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 4

Hindi A (002)

Class IX (2024-25)

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (क) घरवालों से शिष्ट व्यवहार करने से नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है।
   2. (ग) विनम्र व्यवहार दूसरों का ख्याल रखने के नजरिए को दर्शाता है।
   3. (घ) उ'कृपया', 'शुक्रिया', 'धन्यवाद' और 'मुझे क्षमा कर दीजिए' जैसे शब्दों में जादू का असर होता है।
   4. कठोर व्यवहार करने वालों से ज्यादातर लोग दूर रहना चाहते हैं और आखिरकार ऐसे लोग नापसंद किए जाते हैं।
   5. बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बड़े होकर वे सभ्य, समझदार और दूसरों का ख्याल रखने वाला बन सकें।
2. i. (घ) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में मजदूर की शक्ति का महत्व प्रतिपादित किया गया है।
   ii. (ग) मज़दूर निर्माता है। वह अपनी शक्ति से धरती पर स्वर्ग के समान सुंदर बस्तियाँ बना सकता है। इस कारण उसे स्वर्ग से विरक्ति है।
   iii. (क) मज़दूर ने तूफानों व भूकंपों जैसी मुश्किल परिस्थितियों में भी घबराहट प्रकट नहीं की है। वह हर मुसीबत का सामना करने को तैयार रहता है।
   iv. इसका अर्थ यह है कि 'मैं सर्वनाम शब्द श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहा है। कवि कहना चाहता है कि मजदूर वर्ग में संसार के सभी क्रियाशील प्राणी आ जाते हैं।
   v. मज़दूर ने कहा है कि वह खंडहर को भी आबाद कर सकता है। उसकी शक्ति के सामने भूचाल, प्रलय व बादल भी झुक जाते हैं।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. उपसर्ग
   i. संपूर्ण = 'सम्' उपसर्ग और 'पूर्ण' मूल शब्द है |
   ii. प्रतिदिन = 'प्रति' उपसर्ग 'दिन' मूल शब्द है |
   iii. आरोही = 'आ' उपसर्ग 'रोही' मूल शब्द है |

   प्रत्यय
   1. धन + वान = धनवान
   2. पण्डित + आई = पण्डिताई
   3. छल + इया = छलिया
4. i. अन्न-जल = अन्न और जल (द्वंद्व समास)
   ii. प्रत्येक = एक-एक के प्रति / हर एक (अव्ययीभाव समास)
   iii. हाथ और पाँव = हाथ -पाँव (द्वंद्व समास)
   iv. दो माँ का = दुमाता/ द्विमाता (द्विगु समास)
   v. नहीं है जन जहाँ = लोगों से रहित - जन रहित (अव्ययी भाव समास)
5. i. विधानवाचक वाक्य
   ii. आज्ञावाचक वाक्य

iii. मेघा रोटी नहीं बनाती है। अथवा मेघा रोटी नहीं बना रही है।

iv. क्या राहुल चल रहा है?

v. काश ! चंचल फुटबॉल खेलती।

6. i. अनुप्रास अलंकार

ii. अनुप्रास अलंकार

iii. यमक अलंकार

iv. यमक अलंकार

v. श्लेष अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

नीलाम हो जाने के बाद दोनों मित्र उस दढ़ियल के साथ चले। दोनों की बोटी-बोटी काँप रही थी। बेचारे पाँव तक न उठा सकते थे, पर भय के मारे गिरते-पड़ते भागे जाते थे; क्योंकि वह जरा भी चाल धीमी हो जाने पर ज़ोर से डंडा जमा देता था। राह में गाय-बैलों का एक रेवड़ हरे-हरे हार में चरता नजर आया। सभी जानवर प्रसन्न थे, चिकने, चपल कोई उछलता था, कोई आनंद से बैठा पागुर करता था। कितना सुखी जीवन था इनका, पर कितने स्वार्थी हैं सब। किसी को चिंता नहीं कि उनके दो भाई बधिक के हाथ पड़े कैसे दुःखी हैं।

सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। हाँ, इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी। सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गई। आह? यह लो!

अपना ही घर आ गया। इसी कुएँ पर हम पुर चलाने आया करते थे, यही कुआँ है।

(i) **(क)** एक बधिक अर्थात् कसाई

व्याख्या:

एक बधिक अर्थात् कसाई

(ii) **(ख)** उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

व्याख्या:

उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

(iii) **(ख)** राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

व्याख्या:

राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

(iv) **(ग)** उन्हें लगा कि वे जिसं रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

व्याख्या:

उन्हें लगा कि वे जिसं रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

(v) **(ग)** दुर्, ता

व्याख्या:

दुर्, ता

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत के आधार पर उस समय के तिब्बती समाज के बारे में पता चलता है कि उस समय वहाँ समाज में बहुत खुलापन था | वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत, ऊँच-नीच जैसा कोई भेदभाव नहीं था | महिलाएँ पर्दा नहीं करती थीं। वे अपरिचितों को भी चाय बनाकर दे दिया करती थीं। बौद्ध भिक्षुओं को घर के अन्दर तक आने की अनुमति थी | केवल बहुत निम्न श्रेणी के लोगों को चोरी के भय से घर के अन्दर नहीं आने दिया जाता था | समाज में मदिरा-पान (छङ्) का रिवाज था। शाम को लोग छङ् पीकर होशोहवास खो देते थे | बिना जान-पहचान के लोग रात बिताने के लिए आश्रय नहीं देते थे। लोग धार्मिक प्रवृत्ति के तथा अंधविश्वासी थे जो गंडे के नाम पर साधारण कपड़ों के टुकड़ों पर भी विश्वास कर लेते थे।

(ii) अंग्रेजी साहित्यकार लॉरेंस को पर्यावरण और पक्षियों से विशेष लगाव था। उन्होंने प्रकृति की ओर लौटने की बात कही थी। उनका जीवन प्रकृति के अत्यंत निकट था। सालिम अली भी उनके समान ही प्रकृति और पक्षी प्रेमी थे। उन्होंने अपना सारा जीवन प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया था।

(iii) महादेवी जी के परिवार में दो सौ वर्षों तक कोई लड़की नहीं हुई थी। उनके बाबा ने कुलदेवी दुर्गा की आराधना की। इसके बाद महादेवी वर्मा का जन्म हुआ था। हालाँकि उस समय लड़कियों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी पर महादेवी जी को वो सब नहीं सहना पड़ा जो उस समय की लड़कियों को सहना पड़ता था। वर्षों मन्नत मांगने के बाद महादेवी जी का जन्म हुआ था इसलिए उनकी खूब खातिर की गई।

(iv) लेखक प्रेमचंद की वेशभूषा और जूते देखकर इसलिए रो पड़ना चाहता है क्योंकि इतने महान लेखक होने के बाद भी उनके पास न तो अच्छे कपड़े थे और न ही अच्छे जूते। इससे पता चलता है कि प्रेमचंद का जीवन किस बदहाली के दौर से गुज़र रहा था। लेखक उनकी स्थिति से उत्पन्न दुख़ को अपने भीतर तक महसूस कर रो देना चाहता है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।
मुकताफल मुकता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं।

(i) **(ग)** एक पवित्र झील के रूप में और पवित्र मन के रूप में दोनों

व्याख्या:

एक पवित्र झील के रूप में और पवित्र मन के रूप में दोनों

(ii) **(घ)** दिन-रात कीड़ामश्न है

व्याख्या:

दिन-रात कीड़ामश्न है

(iii) **(क)** जीवात्मा का

व्याख्या:

जीवात्मा का

(iv) **(क)** क्योंकि उसे कहीं और मोती नहीं मिलेंगे

व्याख्या:

क्योंकि उसे कहीं और मोती नहीं मिलेंगे

(v) **(क)** आत्मा का परमात्मा में मिलन

व्याख्या:

आत्मा का परमात्मा में मिलन

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) समाज के बड़े वर्ग को आज भी गरीबी का अभिशाप झेलना पड़ रहा है। इस गरीबी और समाज की व्यवस्था के कारण करोड़ों बच्चों को अपने परिवार की आर्थिक गतिविधियों तथा जिम्मेदारियों में हाथ बटाना पड़ता है। न चाहते हुए भी वे मजदूरी करने को विवश हैं। एक समय खाने के लिए भी उन्हें सोचना पड़ता है। वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी नहीं कर पाते। इस अवस्था में भयानक निर्धनता को झेलते हुए उनके माता-पिता के पास गेंद, खिलौने, किताबें आदि खरीदने की क्षमता नहीं हैं, इसलिए वे सुविधा और मनोरंजन के साधनों से वंचित हैं।

(ii) लता ने बादल रूपी मेहमान को व्याकुल नवविवाहिता की भाँति देखा। उसके इस तरह देखने का कारण था कि बादल रूपी मेहमान पूरे एक साल बाद आयी थी। वह गर्मी (विरह वेदना) से व्याकुल थी साथ ही मानिनी भी थी इसलिए उससे अपनी नराज़गी प्रकट कर रही थी।

(iii) कवयित्री प्रभु की शरण को अपना घर मानती हैं। उनका 'घर जाने की चाह' से तात्पर्य है - इस भवसागर से मुक्ति पाकर अपने प्रभु की शरण में जाना।

(iv) पंतजी ने प्रकृति के कोमल और सुंदर रूप का चित्रण बहुत खूबसूरती और बारीकी से किया है, इसलिए पंतजी को 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहा जाता है। वे प्रकृति के प्रत्येक रूप के लिए अत्यंत कोमल एवं नए शब्दों का प्रयोग करते हैं।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) पटना में 1967 में जो बाढ़ आई थी उसका वर्णन 'रेणु' जी ने इस पाठ में किया है। पटना का पश्चिमी इलाका छाती तक पानी में डूब गया। यहाँ तक कि राजभवन और मुख्यमंत्री निवास भी बाढ़ की चपेट में आ चुके थे। अपने-अपने साधनों से लोग बाढ़ की स्थिति देखने को निकल पड़े। देखने वालों की आँखों में और जुबान पर एक ही जिज्ञासा थी। पानी कहाँ तक आ गया। सभी की आवाज थी-आ रहा है, सड़क के एक किनारे एक मोटी डोरी की शक्ल में गेरुआ झाग फेन में उलझा पानी तेजी से सरकता आ रहा था। लोग मना करते हुए बह रहे थे-आगे मत जाओ, जैसे वह आ रहा है, मृत्यु का तरल रूप। बाढ़ में पानी का बहाव तेज होता है और देखते ही देखते तमाम रिहाइशी इलाके जलमग्न हो जाते हैं। लोग जरूरत की चीजों के लिए मारे-मारे फिरते हैं।

(ii) लेखिका की दादी के घर का माहौल अन्य घरों से अलग था। वहाँ सबको लीक से हटकर चलने की छूट थी। लड़के-लड़कियों में कोई भेद नहीं किया जाता था। खुद दादी ने ही अपनी पुत्रवधू के गर्भवती होने पर बेटी पैदा होने की कामना की थी। घर में स्त्रियों को आदर-सम्मान दिया जाता था। खुद लेखिका की माँ को परिवार भर के लोग मानते थे। परिवार का वातावरण धार्मिक था। स्वयं दादी नियमित रूप से मंदिर जाया करती थी। उनके परिवार में साहित्यिक माहौल था। लेखिका की माँ पुस्तकें पढ़ने, चर्चा करने, संगीत सुनने में समय बिताया करती थी। स्त्रियों का

इतना सम्मान किया जाता था कि पाँच पुत्रियाँ पैदा होने पर भी घर में लेखिका की माँ का आदर कम न हुआ था।

(iii) रामस्वरूप प्रेमा को बताता है कि उनकी लड़की उमा को देखने दो व्यक्ति आ रहे हैं। उनमें से एक लड़के का पिता बाबू गोपालप्रसाद है जो दकियानूसी विचारों का है। वह स्वयं पढ़ा-लिखा और पेशे से वकील है। बड़ी-बड़ी सभा सोसाइटियों में जाता है किंतु अपने लड़के के लिए ऐसी लड़की चाहता है जो अधिक पढ़ी-लिखी न हो। उनका लड़का शंकर बी० एससी० करने के बाद लखनऊ के मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है। वह भी लड़कियों की उच्च शिक्षा के पक्ष में नहीं है। रामस्वरूप अपनी पत्नी को समझाता है कि वह उनके सामने उमा की उच्च शिक्षा की बात को छिपाकर ही रखे।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) मानव प्रकृति का एक अभिन्न अंग है। हमारी भलाई प्रकृति की भलाई पर निर्भर करती है। प्रकृति पर गाज गिरने का अर्थ है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं, प्रदूषण फैला रहे हैं और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रकृति और मानव के बीच एक संतुलन होना आवश्यक है। यदि हमने इस संतुलन को बिगाड़ा तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। तापमान में वृद्धि, समुद्र का जलस्तर बढ़ना, प्राकृतिक आपदाएँ और जैव विविधता का क्षरण जैसे समस्याएँ पहले से ही सामने आ रही हैं।

यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में मानवता को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। हमें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना होगा, प्रदूषण को कम करना होगा और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाना होगा। तापमान वृद्धि में रोक लगाने के लिए वैश्विक स्तर पर एकजुट होकर काम करना होगा।

अंत में, याद रखें कि प्रकृति हमारा घर है। हमें इसे बचाना है तो हमें अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा।

(ii) प्रदूषण न केवल किसी एक राष्ट्र की अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त एक भयानक समस्या है। प्रदूषण का अर्थ है-वातावरण में तत्व का असंतुलित मात्रा में विद्यमान होना। प्रदूषण विज्ञान की देन है, रोगों का निमंत्रण है और प्राणियों की अकाल मृत्यु का संकेत है। प्रदूषण इस मनोहर-धरा को नरक तुल्य बनाने पर तुला है। प्रदूषण ने सर्वप्रथम पर्यावरण को दूषित कर दिया है। पर्यावरण का जीवन-जगत् के स्वास्थ्य एवं कार्य-कुशलता से गहरा सम्बन्ध है। यदि पर्यावरण शुद्ध है तो मानव का मन एवं तन शुद्ध, स्वस्थ एवं प्रफुल्लित रहता है। मनुष्य की कार्य-कुशलता बनी रहती है। पर्यावरण को पावन बनाने में प्रकृति का विशेष हाथ है।

प्रदूषण मुख्यतः दो प्रकार का होता है-सामाजिक प्रदूषण और प्राकृतिक प्रदूषण। सामाजिक प्रदूषण समाज के लोगों के दूषित विचार होने से उत्पन्न होता है। धार्मिक प्रदूषण और नैतिक प्रदूषण सामाजिक प्रदूषण के ही रूप हैं। प्राकृतिक प्रदूषण प्रकृति के विभिन्न घटकों में संतुलन बिगड़ने से होता है। उदाहरण के लिये; जल-प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि-प्रदूषण, भू-प्रदूषण और ताप-प्रदूषण। प्रदूषण चाहे सामाजिक हो या प्राकृतिक नितांत चिन्तनीय है।

(iii)**आज़ादी का महत्व -** स्वतंत्रता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है। स्वतंत्रता मनुष्य को ही नहीं बल्कि जीव-जंतुओं तथा पक्षियों को भी प्रिय है। कहा भी गया है- पराधीन सपनेहुँ सुख नाहिं। अंग्रेजों की गुलामी को भारतवासी कैसे सहन कर सकते थे! वे इस गुलामी की जंजीरों को काटने का अनवरत प्रयास करते रहे और अंततः 15 अगस्त, 1947 को शताब्दियों से खोई स्वतंत्रता हमें पुनः प्राप्त हो गई। इस दिन को हम 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में मनाने लगे।

पूर्ण आज़ादी से तात्पर्य - हमें यह आज़ादी अनेक बलिदानों के पश्चात् प्राप्त हुई है। परन्तु यह अभी पूर्ण आज़ादी नहीं है। हम आज भी मानसिक तौर पर गुलाम हैं। हमें इस स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। स्वार्थवश कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे भारत कलंकित हो अथवा इसकी स्वतंत्रता को कोई हानि पहुँचे।

आज़ादी की सुरक्षा कैसे?- भारतीयों को न सिर्फ बाहरी ताकतों से अपितु देश के भीतर छिपे गद्दारों से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें सभी को देशभक्ति की भावना को जाग्रत करना होगा। अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करना होगा। अपनी कानून व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा, तभी हम अपनी आज़ादी को सुरक्षित रख पायेंगे।

13. सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
बाल भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय
दिल्ली,
दिनांक - 30 अप्रैल 2024
विषय - विद्यालय में समसामयिक विषयों की पुस्तकें मँगवाने हेतु।
महोदय,
मैं तनुजा आपके विद्यालय कि छात्र हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में कुछ सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में, पुस्तकालय की किताबों का चयन और उनकी स्थिति सुधार की मांग कर रही है। कई पुस्तकें पुरानी और उपयोग की नहीं रहतीं, जिससे छात्रों को अध्ययन में कठिनाई होती है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय की सुविधाओं को अपडेट करने की भी जरूरत है, जैसे कि आरामदायक पढ़ाई की जगह और आधुनिक संदर्भ सामग्री। इन सुधारों से न केवल अध्ययन के प्रति उत्साह बढ़ेगा, बल्कि हमारी पढ़ाई की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।
आपके सहयोग के लिए अग्रिम धन्यवाद।
सादर,
अंकित

अथवा

गोविन्द छात्रावास,
नोएडा, उत्तर प्रदेश।
27 फरवरी, 2019
पूज्या माता जी,
सादर चरणस्पर्श।
आपका पत्र मिला। पढ़कर सब हाल जाना। घर पर आप सभी सकुशल हैं, यह जानकर खुशी हुई।

आपने अपने पत्र में जानना चाहा था कि छात्रावास के कमरे में साथ रहने वाला मित्र कैसा है, वह मैं पत्र के माध्यम से बता रहा हूँ।

मैं छात्रावास में हरीश नामक छात्र के साथ रहता हूँ। वही मेरा घनिष्ठ मित्र और सहपाठी भी है। हरीश हँसमुख, उदार तथा विनम्र स्वभाव वाला लड़का है। वह शाकाहारी, परिश्रमी तथा आस्तिक है। वह प्रातःकाल बिस्तर त्यागकर दैनिक क्रियाओं से निवृत्त होता है और उद्यान में भ्रमण के लिए जाता है। वहाँ व्यायाम और कुछ योग कर स्नान करता है। नाश्ता करके पढ़ने बैठ जाता है। माँ, तुम्हें आश्चर्य होगा कि घर पर आठ बजे तक सोया रहने वाला मैं उसकी संगति के कारण प्रातः पाँच बजे बिस्तर त्याग देता हूँ। उसकी दिनचर्या के अनुसार पढ़ने बैठ जाता हूँ। इससे मुझे पढ़ने का पर्याप्त समय मिल जाता है। दिनभर स्फूर्ति बनी रहती है तथा पढ़ाई में मन लगने लगा है।

पूज्य पिता जी को चरणस्पर्श तथा हर्षिता को स्नेह कहना।

आपका प्रिय पुत्र,

गौतम कश्यप

14. From: pawan@mycbseguide.com

To: healthofficer@mcdonline.gov.in

CC ...

BCC ...

विषय - जल भराव की समस्या के सन्दर्भ में

महोदय,

इस मानसून की बारिश के कारण आवासीय कालोनी सरोजिनी नगर, दिल्ली के सेक्टर 20, 22, 23 में जगह-जगह पानी भर गया है। चारों ओर गंदगी का साम्राज्य हो जाने से मच्छरों को भी प्रश्रय मिल रहा है। यही नहीं जल भराव के कारण सड़के भी टूट-फूट गई हैं जिसके कारण यातायात व बच्चों को स्कूल जाने में भी असुविधा हो रही है। दैनिक जीवन पूर्ण रुप से अस्त व्यस्त है। अतएव आपसे निवेदन है कि आप उन्हें राहत पहुँचाएँ ताकि उनका जीवन सुचारु रुप से चल सके।

पवन

अथवा

नारी का संघर्ष

मैं एक स्त्री हूँ। मेरा नाम कोई मायने नहीं रखता है। आज मैं आपको अपने संघर्ष की कथा सुनाना चाहती हूँ, जो कि एक माता के गर्भ से आरंभ हो जाता है और जीवनपर्यन्त चलता है। जन्म से पहले ही हम में से कइयों को गर्भ में ही मार दिया जाता है। लेकिन मेरा जन्म हुआ। उसके बाद जब मैं बड़ी हुई तो मैंने ध्यान दिया कि समाज में लड़कों के लिए कुछ अलग नियम हैं और लड़कियों के लिए कुछ और नियम।

फिर मेरा जीवन आगे बढ़ा, मैंने सोचा कि अब सारी कठिनाइयों का अंत हो जाएगा। लेकिन नहीं, कुछ बड़ी होने पर समाज के कुछ तथाकथित मर्दो ने मेरा शोषण करना चाहा, मैंने मदद की गुहार की लेकिन कोई नहीं आया और मेरा पूरा जीवन इसी तरह के अनेक शोषणों के खिलाफ संघर्ष में बीत गया।

अंततः मैं एक बात समझ गई कि इस देश में सिर्फ पत्थर की देवियों की पूजा होती है और जो जीवित हैं उनका तो सम्मान भी नहीं होता है।

15. बच्चा - पिता जी! पिताजी! मुझे लड्डू खाना है।

पिता - अरे बेटा! इतनी रात को तुम्हें लड्डू खाना है। मैं कल तुम्हारे लिए लड्डू ले आऊँगा।

बच्चा - लेकिन पिता जी, मुझे तो अभी चाहिए।

पिता- ज़िद नहीं करते। अभी दिवाली पर तो तुमने लड्डू और पेड़े भी खाए थे। मैं तुम्हें फिर किसी दिन खिला दूँगा।

बच्चा - नहीं पिता जी, मुझे तो अभी खाना है। अभी, अभी, अभी!

पिता - बेटा, तुम तो मेरे अच्छे बच्चे हो। और तुम्हें मालूम है न, रात को मीठा खाने से दाँत खराब हो जाते हैं। खराब दाँतों में दर्द होता है, खाना-पीना सब कुछ मुश्किल हो जाता है।

बच्चा - ये तो आप ठीक कह रहे हैं। दाँत दर्द होगा तो मैं चॉकलेट भी नहीं खा पाऊँगा। अच्छा, आप मुझसे वादा करें कि कल दिन में ज़रूर लड्डू लाएँगे।

पिता - वादा, मैं तुमसे पक्का वादा करता हूँ कि कल दिन में तुम्हारे लिए लड्डू अवश्य लाऊँगा।

अथवा

सूचना

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

कबड्डी मैच का आयोजन

दिनांकः 12/12/20XX

विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में हर वर्ष की भांति इस बार भी कबड्डी मैच का आयोजन किया जाएगा। यह मैच कक्षा नवीं व दसवीं के विद्यार्थियों के मध्य होना है। इच्छुक प्रतियोगी 15 दिसंबर, 20XX तक अपना नाम खेल सचिव को लिखवा दें।

मुकेश कुमार

खेल सचिव